

Padma Shri



SHRI SUMIT ANTIL

Shri Sumit Antil is a para athlete, who won gold medal in Paralympics 2020 Tokyo by breaking the world record three times in a single final. He currently holds world record in Para Athletics F64 category in Javelin throw.

2. Born on 7 June 1998, in Sonipat, Haryana, Shri Antil completed his secondary education in Dev Rishi Senior Secondary School, Sonipat and was fond of wrestling. As a born wrestler, he was training in SAI Bhalgarh for his competitions. He met with an accident on 5 January 2015, while coming back from his study classes. Then he tried to do something big in study. He got admission in Ramjas College, Delhi University. There he was introduced to Para athletics and chose javelin.

3. Shri Antil has competed in various National and International platforms. He came 5th in Asian Para Games 2018 held in Indonesia. He never looked back. In 2019, at the World Para Athletics Grand Prix in Italy, he broke the world record in the F64 category and won Silver medal. He also won silver medal in World Para Athletics Championship 2019 in Dubai. He won a gold medal with a World Record throw of 68.55m in javelin throw F64 at Summer Paralympics. He has broken the world record and his own personal record several times in javelin throw (Para Athletics).

4. Shri Antil has been conferred with prestigious awards like Major Dhyanchand Khel Ratna Award, Bhim Award etc.

पद्म श्री



श्री सुमित अंतिल

श्री सुमित अंतिल एक पैरा एथलीट हैं, जिन्होंने एक ही फाइनल में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़कर टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीता। वर्तमान में, भाला फेंक की पैरा एथलेटिक्स एफ64 श्रेणी में उनका विश्व रिकॉर्ड है।

2. 7 जून, 1998 को हरियाणा के सोनीपत में जन्में, श्री अंतिल ने अपनी माध्यमिक शिक्षा देव ऋषि सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोनीपत से पूरी की। वह कुश्ती के शौकीन थे। पहलवानी के प्रति जन्म से रुचि होने के कारण, उन्होंने प्रतियोगिताओं के लिए साईंभालगढ़ में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। 5 जनवरी 2015 को पढ़ाई करके वापस लौटते समय वह दुर्घटना के शिकार हो गए। फिर उन्होंने पढ़ाई में कुछ बड़ी कामयाबी हासिल करने की कोशिश की। उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में प्रवेश मिल गया। वहां उनका परिचय पैरा एथलेटिक्स से हुआ और उन्होंने भाला प्रतियोगिता को चुना।

3. श्री अंतिल ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया है। वह इंडोनेशिया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स 2018 में 5वें स्थान पर आए थे। इसके बाद, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 2019 में, इटली में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में, उन्होंने F64 श्रेणी का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया और रजत पदक जीता। उन्होंने दुबई में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2019 में रजत पदक भी जीता। उन्होंने समर पैरालिंपिक की भाला फेंक F64 में 68.55 मीटर के विश्व रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने भाला फेंक (पैरा एथलेटिक्स) प्रतियोगिताओं में कई बार विश्व रिकॉर्ड और अपना निजी रिकॉर्ड तोड़ा है।

4. श्री अंतिल को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, भीम पुरस्कार आदि जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।